भारत की कम्युस्टि पार्टी (माओवादी)
दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

प्रेस वक्तव्य

दिनांक–30 दिसंबर, 2020

देशद्रोही किसान कानूनों के खिलाफ जारी किसान आंदोलनों के समर्थन में
आगामी गणतंत्र दिवस समारोहों का बहिष्कार करें!
साम्राज्यवादी ब्रिटैन के प्रधान मंत्री बोरिस जान्सन वापस जाओ नारा बुलंद करें!

कॉरपोरेट घरानों के प्रधान सेवक होने का एक और बड़ा सबूत पेश करते हुए मोदी की ब्राह्मणीय हिंदुत्व फासीवादी सरकार द्वारा देश की खेती को कॉरपोरेट घरानों के हवाले करते हुए, देश को खाद्य पदार्थों के लिए भी पराधीन बनाते हुए पारित किए गए किसान विरोधी, देशद्रोही तीन किसान कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर देश भर में जारी जुझारू किसान आंदोलन का हमारी पार्टी पुरजोर समर्थन करती है. साथ ही किसानों का आह्वान करती है कि वे आंदोलन को तब तक जारी रखे जब तक कि सरकार तीनों कानूनों को वापस नहीं लेती. डराने, धमकाने, लालच दिखाने, भाजपाई किसान युनियनों को ठंडा करने, किसानों को दिग्भ्रमित करने एवं पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा कानूनों के पक्ष में झूठा प्रचार करने के जरिए आंदोलन को कमजोर करने व खत्म करने सरकार एड़ी–चोटी का जोर लगा रही है. हमारी पार्टी किसानों एवं तमाम किसान संगठनों से अपील करती है कि वे सरकार के झूठे व कोरो आश्वासनों पर विश्वास न करें एवं कानूनों को वापस लेने की मांग पर अड़े रहे. देश भर की जनता खासकर मजदूर वर्ग, प्रगतिशील, जनवादी, देशभक्त ताकतों का किसान आंदोलन के प्रति भरपूर समर्थन प्राप्त है. संघर्षरत किसान अकेले नहीं है. भारतीय सेना के सैकड़ों जवान व छोटे अधिकारी किसान आंदोलन के प्रति अपना भाईचारा प्रकट करते हुए एवं सरकार के किसान विरोधी कानूनों के प्रति अपना विरोध दर्ज करते हुए अपने तमगे वापस कर रहे हैं जोकि सराहनीय कार्य है. अपनी जड़ों को पहचानने का बढ़िया उदाहरण वे पेश कर रहे हैं. इसे और व्यापक बनाने की जरूरत है.

हमारी पार्टी किसानों का आह्वान करती है कि वे आंदोलन को और जुझारू बनावें. काननों को वापस लेने तक आंदोलन – धरना, जुलूस, सभा, चक्काजाम, रेल रोको, बंद आदि के आयोजन को जारी रखें. सभी उत्पीड़ित वर्गों व तबकों की जनता का आह्वान करती है कि वे सड़कों पर उतरकर किसान आंदोलन के प्रति जबर्दस्त समर्थन प्रकट करते हुए भाईचारा आंदोलनों का निर्माण करें. छात्र–युवाओं का आह्वान करती है कि वे किसान आंदोलन में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेवें.

भाजपा की झूठी देशभक्ति व अंध राष्ट्रवाद के खिलाफ, देश विरोधी व किसान विरोधी किसान कानूनों के विरोध में आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोहों का बहिष्कार करने तथा उन समारोहों में मुख्य अतिथि बनकर आने वाले साम्राज्यवादी ब्रिटैन के प्रधान मंत्री बोरिस जान्सन वापस जाओ नारा बुलंद करने हमारी पार्टी देश के तमाम उत्पीड़ित वर्गों, तबकों खासकर किसानों, मजदूरों, छात्र–युवाओं, आदिवासियों, दलितों व महिलाओं का आह्वान करती है. नया भारत की आड़ में मोदी द्वारा सामने लायी जा रही हिंदुत्व फासीवादी भारत की परिकल्पना को विफल करने उसकी जगह नवजनवादी भारत के लिए जारी संघर्ष में भागीदार बनने हम देश की जनता विशेषकर नव जवानों से अपील करते हैं.

विकल्प

(विकल्प)
प्रवक्ता
दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी